**धारा 39, 45, 46 सिविल प्रक्रिया संहिता के अन्तर्गत प्रार्थना पत्र**

**(Application u/sec. 39, 45, 46 CPC)**

न्यायालय…..

वाद नंबर ............ सन् ............

अ०ब०स० ............ वादी

**बनाम**

स०द०फ० ............ प्रतिवादी

उपरोक्त प्रार्थी निम्न प्रकार सविनय निवेदन करता है :

1. यह कि प्रार्थी वाद नंबर ....... सन् ...... में डिक्री होल्डर है जो कि इस मान्य न्यायालय द्वारा पारित की गई थी।
2. यह कि उपरोक्त डिक्री के तहत अंकन रु० .........डिक्री देनदार से वसूल किये जाने
3. यह कि डिक्री देनदार अन्य न्यायालय ......... के क्षेत्राधिकार के अन्तर्गत वास्तविक ङ्केरूप से एवं स्वेच्छया रहता है या व्यापार करता है अथवा तलामार्थ स्वंय कार्य करता है ।

**अथवा**

यह कि डिक्री पारित करने वाली न्यायालय के क्षेत्राधिकार में डिक्री की पूर्ति हेतु डिक्री देनदार के पास पर्याप्त सम्पत्ति नहीं है बल्कि अन्य न्यायालय ........ क्षेत्राधिकार में सम्पत्ति है

**अथवा**

यह कि डिक्री पारित करने वाली न्यायालय के बाहर अचल सम्पत्ति का विक्रय अथवा परिदान होना है

**अथवा**

यह कि ........कारणों से डिक्री का निष्पादन अन्य न्यायालय से कराया जाना न्यायपूर्ण

1. यह कि डिक्री देनदार से सम्बन्धित निवास, व्यापार अथवा सम्पत्ति का विवरण न्यायालय ...... के कार्यक्षेत्र में निस्तारण के अधिकार के साथ उपलब्ध है

**प्रार्थना :**

अत: प्रार्थना है कि उक्त डिक्री का निष्पादन हेतु अन्य न्यायालय .......... को अविलम्ब भेजने का आज्ञा पत्र जारी करने की कृपा करें.

**स्थान ............ दिनांक प्रार्थी ……**

**द्वारा अधिवक्ता……**